पहल | भीषण गर्मी में राहगीरों को मिलेगा शीतल जल, समिति की सराहनीय पहल

सुरभि महिला समिति ने शीतल प्याऊ का शुभारंभ

नवभारत, धनपुरी। प्रचंड ग्रीष्म ऋतु की दाहक तपन के बीच मानवता और करुणा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर क्षेत्र स्थित महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती एलोरा जेना एवं श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा प्यासे जनसमूह की तृप्ति हेतु शीतल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। यह जनोपयोगी पहल न केवल सेवा-भावना का साक्षात प्रतीक है, अपितु सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता का भी सुदृढ़ संकेत है।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, सुरक्षा कर्मी तथा सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा एवं सदस्याएँ ससम्मान उपस्थित रहीं। उपस्थित जनसमूह ने इस पुण्योपक्रम की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे लोकहित में एक अनुकरणीय प्रयास बताया। समिति की श्रीमती एलोरा जेना अध्यक्षा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रीष्मकाल में शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता जीवनोपयोगी आवश्यकता है। इसी भावना से प्रेरित होकर इस प्याऊ की स्थापना की गई है, जिससे कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारी, आगंतुक, पथिक एवं आवश्यकता-ग्रस्त जन सहज रूप से तृप्ति प्राप्त कर सकें। उन्होंने इसे 'परमार्थ' की सजीव अभिव्यक्ति बताते हुए सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म निरूपित किया।

इस उपक्रम की विशिष्टता यह भी है कि सुरभि महिला मंडल ने केवल मानव ही नहीं, अपितु पशु-पक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। परिसर में पृथक जलपात्रों की व्यवस्था कर निर्जल प्राणियों के लिए भी जलसुलभता सुनिश्चित की गई है, जो पर्यावरणीय संतुलन एवं जीवदया की भावना को पुष्ट करता है। प्याऊ स्थल पर शीतल जल के साथ गुड़-चना, ताजा छाछ, जीरा युक्त जल, नींबू पेय एवं मौसमी फलों की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। राहगीर, श्रमिक, अस्पताल के मरीज एवं उनके परिजन इस सुविधा का लाभ उठाते हुए तृप्ति और विश्रांति का अनुभव कर रहे हैं। समिति की सदस्याएँ प्रतिदिन इस व्यवस्था की देखरेख कर स्वच्छता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रख रही हैं, जिससे जनसामान्य को सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्धक पेयजल उपलब्ध हो सके। महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष स्थापित यह प्याऊ सम्पूर्ण ग्रीष्मकाल में नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। जलपात्रों की स्वच्छता, जल की शुद्धता एवं सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु समुचित प्रबंध किए गए हैं, जो इस आयोजन की गंभीरता और समर्पण को दर्शाते हैं। उपस्थित अधिकारियों ने सुरभि महिला मंडल के इस लोककल्याणकारी एवं पर्यावरण-संवर्धन से परिपूर्ण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा, सहयोग एवं सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यों में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी उपस्थित जनों को शीतल पेयजल प्रदान कर सेवा-संस्कार का संदेश प्रसारित किया गया। सुरभि महिला मंडल ने यह संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी जनकल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे उपक्रम सतत रूप से संचालित किए जाते रहेंगे। निस्संदेह, यह पहल केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, परोपकार और सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक बनकर उभरी है, जो समाज को एक नई दिशा प्रदान करती है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में मंडल की सदस्याएं सत्य रमन्ना, पद्मा हरि बाबू, अनुपा सेन गुप्ता, सपना गणवीर, सुनीता हेमराम, पूनम कंपरिया, अंजना कुर्रे, भवानी बालकृष्ण, अंजना हलदर, लोरा महापात्रा, नविता सक्सेना स्मृति तिवारी अमिता पटेल, अनिता राम और उज्वला विधाते—की सक्रिय भागीदारी रही।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बना रही सरकार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कठौतिया में जल चौपाल, किसानों को दी गई सूक्ष्म सिंचाई की जानकारी

नवभारत, शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनभागीदारी से मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा ग्राम पंचायत कठौतिया में जल चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति एवं 'ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव है, जिससे किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकती है।

जल चौपाल में किसानों को समझाया गया कि आधुनिक सिंचाई पद्धतियों को अपनाकर जल की बचत करते हुए बेहतर फसल उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही यह भी बताया गया कि बदलते जलवायु परिदृश्य में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है और समस्त जीव-जगत का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है, इसलिए हमें जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा। जल चौपाल के माध्यम से किसानों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी और उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखाई।

बुढार पुलिस का 'रिलायंस' प्रेम

ट्रेलर को पकड़ने में कांप रहे हाथ

नवभारत,बुढार। शहडोल के बुढार थाने में इन दिनों इंसाफ का पहिया नहीं, बल्कि रिलायंस कंपनी द्वारा दी गई 'सुविधाओं' का पहिया घूम रहा है। रक्षक जब रसूखदारों के 'एहसानों' के बोझ तले दब जाएं, तो कानून अंधा नहीं, अपाहिज हो जाता है।

हादसा या हत्या का प्रयास

बीती 2 अप्रैल की रात, ग्राम सेमरा के प्रदीप उपाध्याय (33 वर्ष) को ट्रेलर क्रमांक ऋछ 46 ब्र 4955 ने उमरियाटोला के पास रौंद दिया। प्रदीप की चीखें और उनके जख्म गवाह हैं कि टक्कर कितनी जोरदार थी। लेकिन रिलायंस गैस प्रोजेक्ट से जुड़े इस काल रूपी ट्रेलर को पकड़ने में बुढार पुलिस के हाथ काँप रहे हैं।

एफआईआर की खानापूर्ति

हैरानी की बात यह है कि एफ आई आर (क्र.0238/2026) दर्ज है, वाहन का नंबर पुलिस की फाइल में दर्ज है, फिर भी ट्रेलर सड़कों पर आज़ाद घूम रहा है। आखिर क्यों?

जनता का सीधा सवाल

क्या रिलायंस कंपनी द्वारा थाना बुढार को दी गई 'फ्री बोलेरो और ड्राइवर' की सुख-सुविधा ने पुलिस की आंखों पर पट्टी बांध दी है?

एहसान का बोझ

चर्चा है कि जिस कंपनी के पहियों पर पुलिस घूमती है, उसी कंपनी के अपराधी वाहन को जप्त करने की हिम्मत पुलिस जुटा नहीं पा रही है।

व्यवस्था पर तीखे सवाल

यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम का फेलियर है। अगर यह ट्रेलर किसी आम आदमी का होता, तो क्या अब तक वह थाने में कबाड़ नहीं बन चुका होता? क्या शहडोल पुलिस के लिए गरीब का खून इतना सस्ता है कि उसे रिलायंस की सुविधाओं के बदले भुला दिया जाए। क्या बुढार थाने में कानून अब रिलायंस की बोलेरो की रफ़्तार से तय होगा।

एसपी और डीजीपी ध्यान दें

शहडोल जिले में क्या कोई ऐसा जिम्मेदार अधिकारी बचा है, जो रसूख की बेड़ियों को काटकर इस गरीब परिवार को इंसाफ दिला सके। क्या रिलायंस के ट्रेलर को थाना बुढार की दहलीज तक लाने का साहस कोई दिखाएगा, या फिर 'सुविधा शुल्क' का यह खेल ऐसे ही चलता रहेगा।

महाप्रबंधक कार्यालय में लोग ठंडे पानी को मोहताज

नवभारत, धनपुरी। अप्रैल का महीना चल रहा है और इस भीषण गर्मी में एरिया महाप्रबंधक कार्यालय में ठंडे पानी को लेकर हर कोई परेशान हो रहा है कहने को तो महाप्रबंधक कार्यालय के ठीक नीचे आरो लगा हुआ है लेकिन देखरेख न होने के कारण यह बंद पड़ा है सवाल इस बात को उठना है कि यह शुरू हो सके इसे लेकर जिम्मेदार पूरी तरह से उदासीन है।

महाप्रबंधक कार्यालय जहां अगर देखा जाए तो एरिया के कई बड़े अधिकारियों का कार्यालय मौजूद है और यही कारण है कि बड़ी संख्या में प्रतिदिन यहां पर लोगों का आना-जाना होता है ऐसे में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके इसे लेकर आरो लगाया गया है लेकिन कई दिनों से वह बंद पड़ा है और शायद जिम्मेदार इसे देख भी रहे हैं लेकिन सब कुछ देखकर भी इसे अनदेखा क्यों किया जा रहा है यह सवाल बना हुआ है।

वैसे तो कुछ ही समय में यह बनकर शुरू हो सकता है लेकिन जरूरत है इस पर ध्यान देने की और शायद जिम्मेदारों को इसके लिए फुर्सत ही नहीं कहने को तो एरिया के सभी अधिकारी इस बंद पड़े आरो को देख रहे हैं लेकिन यह शुरू हो सके इसे लेकर किसी का प्रयास दिख रहा हो ऐसा नजर नहीं आ रहा है आज अगर देखा जाए तो महाप्रबंधक कार्यालय में जो लोग आते हैं उन्हें पानी के लिए परेशान होना पड़ता है और यही कारण है कि महाप्रबंधक कार्यालय में ही पेयजल को लेकर व्यवस्था कितनी बेहतर है इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है। वर्तमान समय में सिविल विभाग की यही कार्य प्रणाली सबसे अधिक चर्चा में बना हुआ है जब महाप्रबंधक कार्यालय में ही अपनी जिम्मेदारी इस तरह से सिविल विभाग निभा रहा है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि एरिया की कोयला खदानों एवं श्रमिक कॉलोनी में हाल क्या होंगे दूसरी तरफ महाप्रबंधक कार्यालय की छतो पर रखे हुए पानी के टंकी जहां से पूरे एरिया मुख्यालय में पानी की सप्लाई की जाती है लेकिन इन पानी टंकियो की सफाई कई महीनो से नहीं की गई है और यही कारण है कि इसे लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं कोयला उत्पादन को लेकर प्रबंधन जितनी गंभीरता दिखता है अगर इन समस्याओं को लेकर भी गंभीरता देखने को मिले तो शायद समस्याओं का समाधान हो जाए।

एक तो भीषण गर्मी ऊपर से घंटों लेट चल रही स्पेशल ट्रेनें

नवभारत,जबलपुर। भीषण गर्मी के बीच रेल यात्रियों की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं जबलपुर से गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनें गत दिवस शुक्रवार को 16 घंटे से भी ज्यादा की देरी से चल रही थी जिससे यात्रियों को गर्मी और उमस में लंबा इंतजार करना पड़ रहा था। स्टेशन पर हालात ऐसे हैं कि बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इस समर सीजन में हजारों स्पेशल ट्रेनें चला रहा है, लेकिन रेलवे का जो सुविधा प्रदान करने का उद्देश्य है, वह इसकी लेटलतीफी के चलते पूरा नहीं हो पा रहा है यात्रियों का कहना है कि रेल प्रशासन सिर्फ चलाने के लिए ही ट्रेनें नहीं चलाए, उसकी पंचुअलिटी पर भी खास ध्यान दिया जाए, तभी उसका उद्देश्य सार्थक हो सकेगा।

ये गाड़ियां शुक्रवार को रही घंटों लेट

- 05558 एलटीटी-रक्सौल 16.15 घंटा
- 01450 दानापुर-हडपसर 15.00 घंटा
- 05590 हडपसर-मुजफ्फरपुर 06.00 घंटा
- 01449 पुणे-दानापुर 3.30 घंटा
- 05791 किशनगंज-उधना 6.45 घंटा
- 03252 एसएमवीबी-दानापुर 10.20 घंटा
- 01044 समस्तीपुर-एलटीटी 13.45 घंटा

गाडियों के विलंब की टाइमिंग शुक्रवार की है। इसके समय में और भी ज्यादा बढ़ोत्तरी होने की संभावना बनी रहती है। ये गाड़ी जबलपुर के अलावा अन्य स्टेशनों पर कब आयेगी, किसी को कुछ नहीं पता, गंतव्य में कब पहुंचेगी, इसकी जानकारी भी किसे के पास नहीं है।

एम्बुलेंस ने रौंदा, विवाह समारोह से लौट रहे श्रमिक नेता की मौत

नवभारत,जबलपुर। खमरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लाई फेडरेशन नेता और व्हीकल फैक्ट्री कार्य समिति के सचिव असीम दुबे की मौत गई।

जानकारी के अनुसार पिपरिया निवासी असीम दुबे (49) रांझी इलाके में एक विवाह समारोह में गए थे। बीती रात डेढ़ बजे वे अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। खमरिया अस्पताल तिराहे के पास शहडोल की ओर से आ रही एक अनियंत्रित एम्बुलेंस ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि असीम दुबे की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद एंबुलेंस भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतर गई और पेड़ से जा टकराई। एंबुलेंस चालक रहबर खान को भी चोट आई है। असीम दुबे की मौत की खबर फैलते ही डिफेंस संस्थानों और कर्मचारी यूनियनों में शोक की लहर दौड़ गई। असीम दुबे ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लाई फेडरेशन की व्हीकल फैक्ट्री कार्य समिति के सचिव थे।

अव्यवस्था | भीषण गर्मी में हालात बदतर

दामिनी खदान में श्रमवीरों को नहीं मिल रहा स्वच्छ जल

प्रदीप शर्मा

नवभारत धनपुरी। सोहागपुर एरिया स्थित मिनी रत्न कंपनी दामिनी अंडरग्राउंड माइंस में कार्यरत श्रमिक इन दिनों मूलभूत सुविधा—स्वच्छ पेयजल—के लिए जूझ रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच जहां आमजन के लिए जगह-जगह प्याऊ खोले जा रहे हैं, वहीं खदान प्रबंधन अपने ही मजदूरों को पीने का पानी उपलब्ध कराने में नाकाम साबित हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार,पिछले एक माह से खदान परिसर में लगा वाटर कूलर बंद पड़ा है। न तो उसमें पानी आ रहा है और न ही उसकी साफ-सफाई कराई गई है। पहले प्रबंधन द्वारा निजी सप्लायर से पानी के केन मंगवाकर व्यवस्था की जाती थी, लेकिन भुगतान न होने के कारण वह आपूर्ति भी बंद हो गई है। इससे श्रमिकों के सामने पेयजल का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

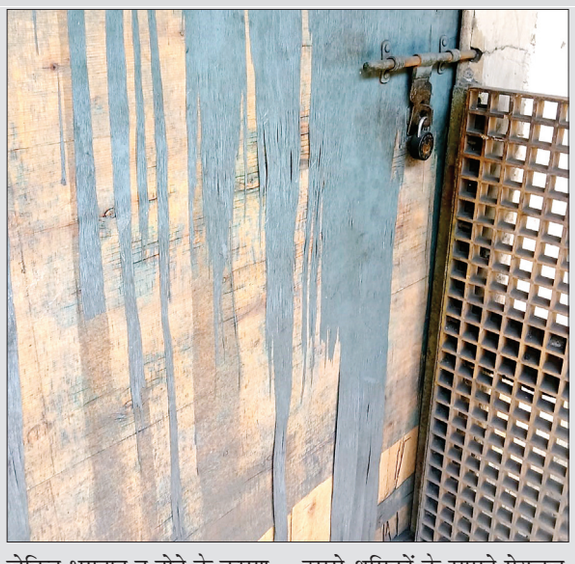

नाम न छापने की शर्त पर मजदूरों ने बताया कि उनसे कड़ी मेहनत तो कराई जाती है, लेकिन उनकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी की जा रही है। उनका आरोप है कि प्रबंधन का रवैया तानाशाहीपूर्ण हो गया है और मजदूरों के स्वास्थ्य व सुविधा से ज्यादा उत्पादन पर ध्यान दिया जा रहा है। भीषण गर्मी में खदान के अंदर काम कर रहे श्रमिक 'त्राहि-त्राहि' करने को मजबूर हैं। पानी की कमी के कारण काम करना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। कर्मचारियों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश है। स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों से अपेक्षा की जा रही थी कि वे तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जब मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया गया, तो हालात चौंकाने वाले मिले। इतनी बड़ी खदान में श्रमिकों को पीने का पानी तक उपलब्ध न होना प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को उजागर करता है। यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

इनका कहना है

इस संबंध मे खान प्रबंधक ने कहा की वाटर कैन की वयवस्था की जा रही व एक दो दिन मे वाटर पम्प भी चालू हो जाएगा ।

खान प्रबंधक राजेश
खमपरिया दामनी उपक्षेत्र

कार्क बार में पथराव, संचालक और कर्मचारियों पर हमला

नवभारत,जबलपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत बल्देवबाग चौक के पास स्थित कार्क बार एण्ड रेस्टोरेन्ट में बीती रात पथराव के बाद हंगामा हुआ। बार के पीछे से पत्थर फेंकने की पूछताछ करने गए संचालक और उनके कर्मचारियों पर पड़ोसियों ने लोहे की रॉड और लात-घूंसों से हमला भी कर दिया। हमले में एक कर्मचारी के पैर में गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक विजय नगर जेडीए विला निवासी प्रशांत उर्फ मोनू राय का बल्देवबाग चौक के पास कार्क बार एण्ड रेस्टोरेन्ट है। बीती रात करीब 9:30 बजे उनके बार के पिछले हिस्से में अचानक पत्थर फेंके गए। सुरक्षा की दृष्टि से उन्होंने अपने कर्मचारी रूपेश कोरी और सुरेश जयसवाल को पीछे के घरों में पूछताछ के लिए भेजा। जब कर्मचारी पीछे रहने वाले विकास उर्फ रिंकू ग्रोवर के घर के पास पहुंचे, तो वहां रिंकू और अमित द्विवेदी ने उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ा कि कर्मचारी अपनी एक्टिवा छोड़कर भाग निकले। इसके बाद जब संचालक प्रशांत राय खुद अपने साथियों के साथ बातचीत करने पहुंचे, तो आरोपियों ने उन पर हमला बोल दिया। शिकायत के अनुसार, रिंकू ग्रोवर और अमित द्विवेदी ने संचालक को घेरकर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान रिंकू ने लोहे की रॉड से कर्मचारी रूपेश कोरी के पैर पर जोर से वार किया। शोर सुनकर रिंकू के चाचा विनोद ग्रोवर भी बाहर आ गए और तीनों ने मिलकर पीड़ितों को जमकर पीटा। जाते-जाते आरोपियों ने धमकी दी कि दोबारा घर आए तो जान से मार देंगे। पीड़ित पक्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी रिंकू ग्रोवर, अमित द्विवेदी और विनोद ग्रोवर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है ।

Maharashtra University Of Health Sciences, Nashik
MUHS
Dindori Road, Mhasrul, Nashik-422004
Phone No. 0253-2539236
Email: registrar@muhs.ac.in, civil@muhs.ac.in,
Website: http://www.muhs.ac.in

E-tender Notice No-Civil/03/2026

Maharashtra University of Health Sciences invites e-tenders for providing temporary services of skilled and unskilled manpower by the contractor on contractual basis for Gardening Work in MUHS Campus, Nashik for a period of two years.

The e-tender form, form fee, earnest money, terms and conditions are published on the website http://mahatenders.gov.in The actual work should be inspected before submitting the e-tender.

Date: 27/04/2026 **Registrar**